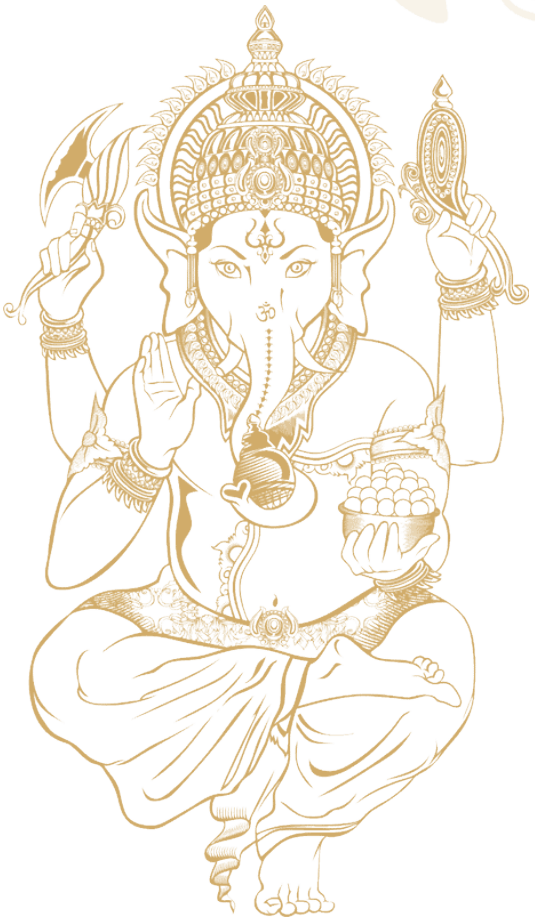

Amisha

29 Nov 1993

07:01 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121410202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/11/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:01:00 घंटे**
इष्ट	30:14:55 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:39:52 घंटे
वेलान्तर	00:11:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:13:38 घंटे
सूर्योदय	06:55:01 घंटे
सूर्यास्त	17:23:49 घंटे
दिनमान	10:28:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:34:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	08:09:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:09:22	328:05:39	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	13:34:27	01:00:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	16:54:17	12:27:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	20:59:32	00:44:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			तुला	25:24:13	01:22:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	10:11:17	00:11:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	01:54:37	01:15:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	00:45:02	00:03:15	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:16:35	00:00:07	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:16:35	00:00:07	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:03:16	00:02:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:34:01	00:01:48	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	02:07:20	00:02:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	23:37:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:33

लग्न-चलित

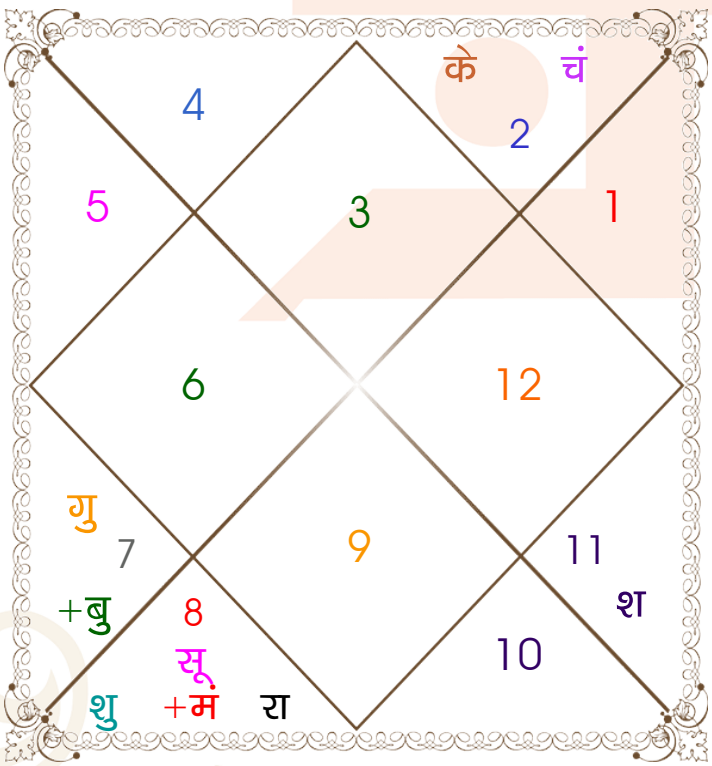

चन्द्र कुंडली

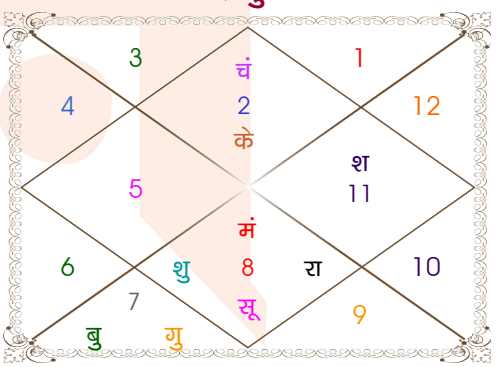

नवमांश कुंडली

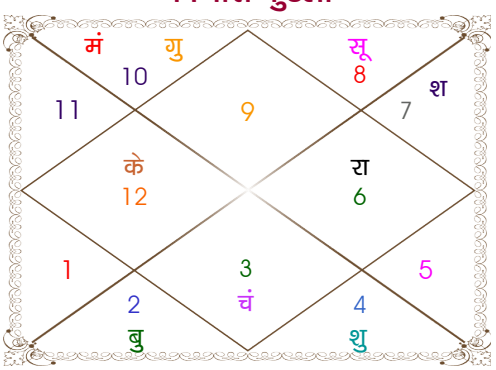

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/11/1993		25/09/1998		25/09/2005		26/09/2023		26/09/2039	
25/09/1998		25/09/2005		26/09/2023		26/09/2039		25/09/2058	
	00/00/0000	मंगल	21/02/1999	राहु	07/06/2008	गुरु	13/11/2025	शनि	28/09/2042
	00/00/0000	राहु	11/03/2000	गुरु	01/11/2010	शनि	26/05/2028	बुध	08/06/2045
	00/00/0000	गुरु	15/02/2001	शनि	07/09/2013	बुध	01/09/2030	केतु	17/07/2046
	29/11/1993	शनि	27/03/2002	बुध	26/03/2016	केतु	08/08/2031	शुक्र	16/09/2049
शनि	26/07/1994	बुध	24/03/2003	केतु	14/04/2017	शुक्र	08/04/2034	सूर्य	29/08/2050
बुध	26/12/1995	केतु	20/08/2003	शुक्र	13/04/2020	सूर्य	25/01/2035	चंद्र	29/03/2052
केतु	26/07/1996	शुक्र	19/10/2004	सूर्य	08/03/2021	चंद्र	26/05/2036	मंगल	08/05/2053
शुक्र	27/03/1998	सूर्य	24/02/2005	चंद्र	07/09/2022	मंगल	02/05/2037	राहु	14/03/2056
सूर्य	25/09/1998	चंद्र	25/09/2005	मंगल	26/09/2023	राहु	26/09/2039	गुरु	25/09/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/09/2058		26/09/2075		25/09/2082		26/09/2102		26/09/2108	
26/09/2075		25/09/2082		26/09/2102		26/09/2108		00/00/0000	
बुध	21/02/2061	केतु	22/02/2076	शुक्र	25/01/2086	सूर्य	14/01/2103	चंद्र	27/07/2109
केतु	18/02/2062	शुक्र	23/04/2077	सूर्य	25/01/2087	चंद्र	16/07/2103	मंगल	25/02/2110
शुक्र	19/12/2064	सूर्य	29/08/2077	चंद्र	25/09/2088	मंगल	20/11/2103	राहु	27/08/2111
सूर्य	26/10/2065	चंद्र	30/03/2078	मंगल	25/11/2089	राहु	14/10/2104	गुरु	26/12/2112
चंद्र	27/03/2067	मंगल	26/08/2078	राहु	25/11/2092	गुरु	02/08/2105	शनि	30/11/2113
मंगल	23/03/2068	राहु	13/09/2079	गुरु	27/07/2095	शनि	15/07/2106		00/00/0000
राहु	11/10/2070	गुरु	19/08/2080	शनि	25/09/2098	बुध	22/05/2107		00/00/0000
गुरु	15/01/2073	शनि	28/09/2081	बुध	27/07/2101	केतु	27/09/2107		00/00/0000
शनि	26/09/2075	बुध	25/09/2082	केतु	26/09/2102	शुक्र	26/09/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।